

US-China trade war to hit Indian economy: Assocham

STATESMAN NEWS SERVICE

New Delhi, 8 January

India might suffer collateral damage to its economy if it finds itself in the crossfire in the escalating trade war triggered by US President-elect Donald Trump with Mexico and China, industry chamber Assocham said here today.

Citing its report on the regime change in the USA, Assocham said India will suffer damage, particularly in sectors such as information technology and select

goods exports to the US market.

"Though China and Mexico are in direct firing line of Mr Trump, India needs to watch out and must build bridges with the upcoming American administration and assuage the concerns about the American jobs," the traders body said.

The chamber said Mr Trump's election campaign threats to American companies against job outsourcing to China and Mexico are now quite likely to be realised.

"The Trump threat to protect the US interest in an inward looking manner is for real now. The manner in which Ford has announced scrapping of its \$1.68 billion plan to set up a manufacturing plant in Mexico shows that Trump means business when it comes to carrying out the threat of heavy border tax on the US firms which, as he calls it, ship the jobs abroad," the report said. India should not sit and watch the trade war among the big economies from the sidelines, Assocham said.

India may get caught in US-China trade war: Assocham



India's economy
may suffer
"collateral
damage" on
account of

escalating trade war triggered by the US President-elect Donald Trump with Mexico and China and the country must take "pro-active" steps to protect its business interests, Assocham said in a report. Sectors such as information technology and select goods exports by India to the American market may suffer the maximum impact of the scenario, according to the study by the chamber. **PTI**

Though China and Mexico are in direct firing line of Donald Trump, India needs to watch out



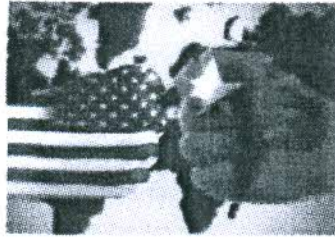
— D.S. Rawat,
Secretary General,
Assocham

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में भारत को नुकसान : एसोचैम

» भारत को कदम उठाने की जरूरत

एजेंसी ☆ नई दिल्ली

अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको और चीन के साथ व्यापार युद्ध छेड़ा तो उससे भारत को भी नुकसान उठाना पड़



सकता है। उद्योग मंडल एसोचैम ने यह राय जताई है। उद्योग मंडल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे में भारत को अपने व्यापारिक हितों के संरक्षण के लिए पहले से ही कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है

कि अमेरिका के बदले रख से सूचना प्रौद्योगिकी के साथ अमेरिकी बाजार को कुछ चुनिंदा वस्तुओं का भारत का निर्यात सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन पर एसोचैम के परिपत्र में कहा गया है कि चीन और मेक्सिको सीधे ट्रंप के निशाने पर हैं, लेकिन भारत को भी सावधान रहने की जरूरत है। भारत को अमेरिका के नए प्रशासन के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास करने की जरूरत है जिससे अमेरिकी नौकरियों को लेकर चिंता को दूर किया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन लोगों को लगता था कि चीन और मेक्सिको को अमेरिकी कंपनियों द्वारा नौकरियों को ट्रंप ने जो चेतावनी थी वह सिर्फ चुनावी भाषणा था, उन्हें इससे झटका लगा है।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध में भारत को नुकसान

नई दिल्ली। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको और चीन के साथ व्यापार युद्ध छोड़ा तो उससे भारत को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उद्योग मंडल एसोचैम ने यह राय जताई है। उद्योग मंडल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे में भारत को अपने व्यापारिक हितों के संरक्षण के लिए पहले से ही कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के बदले रुख से सूचना प्रौद्योगिकी के साथ अमेरिकी बाजार को कुछ चुनिंदा वस्तुओं का भारत का निर्यात सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है।

अमेरिका में सत्ता परिवर्तन पर एसोचैम के परिपत्र में कहा गया है कि चीन और मेक्सिको सीधे ट्रंप के निशाने पर हैं, लेकिन भारत को भी सावधान रहने की जरूरत है। भारत को अमेरिका के नए प्रशासन के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास करने की जरूरत है जिससे अमेरिकी नौकरियों को लेकर चिंता को दूर किया जा सके।

‘भारत को भी हो सकता है नुकसान’

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध

नई दिल्ली। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मेक्सिको और चीन के साथ व्यापार युद्ध छेड़ तो उससे भारत को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उद्योग मंडल एसोसिएम ने यह खबर जताई है। उद्योग मंडल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे में भारत को अपने व्यापारिक हितों के संरक्षण के लिए पहले से ही कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के बदले रख से सूचना प्रौद्योगिकी के साथ अमेरिकी बाजार को कुछ चुनिंदा वस्तुओं का भारत का निर्यात सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन पर एसोसिएम



के परिपत्र में कहा गया है कि चीन और मेक्सिको सीधे ट्रंप के निशाने पर हैं, लेकिन भारत को भी सावधान रहने की जरूरत है।

भारत को अमेरिका के साथ तालमेल की जरूरत : भारत को अमेरिका के नए प्रशासन के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास करने की

जरूरत है जिससे अमेरिकी नौकरियों को लेकर चिंता को दूर किया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन लोगों को लगता था कि चीन और मेक्सिको को अमेरिकी कंपनियों द्वारा नौकरियों को ट्रंप ने जो चेतावनी थी वह सिर्फ चुनावी भाषणा था।